ग्रीन हाउस गैसों पर करेंगे नियंत्रण : मुख्यमंत्री

कोस्टारिका से सीखेंगे कार्बन न्यूट्रल का पाठ

भास्कर न्यूज › शिमला

हिमाचल निकट भविष्य में देश का पहला कार्बन न्यूट्रल राज्य बनेगा। इसके लिए हिमाचल कोस्टारिका से प्रेरणा व जानकारी लेगा और ग्रीन हाउस से निकलने वाली गैसों पर नियंत्रण करेगा। यह जानकारी मुख्य मंत्री प्रेम कुमार धूमल ने विश्व बैंक और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ कोस्टारिका के सैनजोस में विचार-विमर्श के दौरान दी।

मुख्यमंत्री इन दिनों आठ सदस्यीय उच्च स्तरीय दल के साथ पर्यावरण विषय पर कॉन्फ्रेंस और सेमिनार में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य उभर कर आया है, जो उपलब्ध हरित आवरण के माध्यम से सोखी जाने वाली ग्रीन हाउस गैसों के बदले कार्बन क्रेडिट की मांग कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल पर्यावरण संरक्षण के लिए उठाए गए पगों को लागू करने के लिए कोस्टारिका से हाथ मिलाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमण्डल कोस्टारिका द्वारा छोटे से समय में दोगुना हरित क्षेत्र करने के लिए उठाए गए कदमों का अध्ययन भी करेगा तथा हिमाचल प्रदेश के मौसम व जलवायु परिस्थितियों के मद्देनजर प्रदेश में भी लागू करेगा। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में लोगों की सहभागिता से पौधारोपण के अनेक अभियान शुरू किए हैं ताकि पुराने वनों को नए हर्बल और औषधीय पौधे लगाकर बदला जा रहा है। हिमाचल पर्यावरण संरक्षण के उन सभी उपायों को अपनाएगा जिनकी बदौलत कोस्टारिका ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल ने हिमाचल से लिए गए विभिन्न चित्रों पर आधारित किताब कोस्टारिका के पर्यावरण ऊर्जा व संचार मंत्री जार्ज रॉडरिक्स को भेंट की।

उन्होंने कहा कि राज्य ने यह भी निर्णय लिया है कि प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हिमालय राज्य के पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो इसके लिए भी अनेक पग उठाए गए हैं। वन मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य सरकार द्वारा समय पर वनों के संरक्षण व पौधारोपण के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

कोस्टारिका के पर्यावरण ऊर्जा व संचार मंत्री जार्ज रॉडरिक्स, जो राष्ट्रीय वन निधि कोस्टारिका, एफ आईएनएएफ आईएफओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं, ने मुख्यमंत्री व विभिन्न देशों के प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कहा कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा पर्यावरण संरक्षण की उपलब्धियों से प्रभावित है तथा उन्होंने राज्य से पर्यावरण संरक्षण और एक दूसरे के अनुभवों को सीखने के लिए राज्य से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की।